

भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1751
13 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

पेलेट संयंत्रों की स्थिति

1751. श्री दिग्विजय सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुआ, दल्ली और राउरकेला में पेलेट संयंत्रों के लिए उनकी पहली स्वीकृति के बाद से अब तक स्वीकृतियों, निरस्तियों, पुनः निविदा जारी करने और प्रक्रिया परिवर्तनों की वर्ष-वार स्थिति क्या है;

(ख) पेलेट संयंत्र परियोजनाओं में विलंब और अनुबंध विफलताओं के कारण से मध्यस्थता पंचाट, ब्याज भुगतान और अवसर लागत सहित उत्पन्न कुल वित्तीय देयता कितनी है;

(ग) वर्ष 2019 से 24 के मानदंडों की तुलना में संयंत्र-वार कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) में कमी का ब्यौरा क्या है; और

(घ) वर्ष 2019 से 24 के दौरान ब्लास्ट फर्नेस-वार अनियोजित शटडाउन घंटों और अतिरिक्त पूंजीगत मरम्मत घंटों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख): गुआ पेलेट संयंत्र परियोजना को प्रारम्भ में वर्ष 2010 में स्वीकृति दी गई थी तथा इसकी संविदा वर्ष 2014 में जारी की गई थी। यद्यपि, आवश्यक वन मंजूरी (एफसी) प्राप्त न होने के कारण परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका और परिणामस्वरूप वर्ष 2019 में संविदा रद्द कर दी गई। इसके पश्चात, इस प्रस्ताव को बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओओ) मॉडल के अंतर्गत पुनः संसाधित किया गया।

दल्ली खदान में बीओओ मॉडल के अंतर्गत पेलेट संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव वर्ष 2021 में आरंभ किया गया था, वर्ष 2022 में प्रदान किया गया एवं यह संयंत्र सितंबर, 2025 से प्रचालनरत है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में पेलेट संयंत्र को अक्टूबर 2021 में कॉस्ट-ओनरशिप-मैनेजमेंट (सीओएम) आधार पर स्वीकृति दी गई तथा इसकी संविदा फरवरी, 2025 में जारी की गई।

राउरकेला इस्पात संयंत्र एवं दल्ली खदान में संयंत्र परियोजनाओं के कारण कोई वित्तीय देयताएं उत्पन्न नहीं हुई हैं। तथापि, रद्द किए गए गुआ पेलेट संयंत्र संविदा के संबंध में ठेकेदार द्वारा एक दावा प्रस्तुत किया गया है, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है।

जारी...2/-

:2:

(ग) और (घ): इस्पात संयंत्रों में कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) का उपयोग अलग-अलग ब्लास्ट फर्नेस की डिजाइन विशेषताओं तथा प्रचालन मानकों पर निर्भर करता है। हाल के वर्षों में, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) द्वारा सीडीआई के कार्य-निष्पादन में क्रमिक सुधार किए गए हैं और वर्ष 2024 में इसके संयंत्रों में औसतन 106 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल (kg/thm) का स्तर प्राप्त किया गया है।

ब्लास्ट फर्नेस का प्रचालन एक सतत एवं नियमित प्रक्रिया है और यह एकीकृत इस्पात संयंत्र के समग्र प्रचालन का अभिन्न अंग है। इस्पात संयंत्रों की वार्षिक उत्पादन योजनाएँ वित्तीय वर्ष के प्रारंभ से पूर्व निर्धारित की जाती हैं, जिनमें लेखा प्रबंधन आवश्यकताओं, प्रचलित बाजार परिस्थितियों तथा कंपनी की समग्र व्यावसायिक योजना को ध्यान में रखा जाता है।
